दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना-राशिफल

रायगढ़, शनिवार 30 जुलाई 2022

www.nyaysakshi.com

संपादकीय

मंकीपॉक्स से सावधान

मंकीपॉक्स से सर्वाधिक केस अगर यूरोप के देशों में मिले हैं तो सबसे ज्यादा मौतें अफ्रीकी देशों में हुई हैं। यह इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि अभी इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

दुनिया अभी एक महामारी से उबरी नहीं है और दूसरी महामारी दरवाजे पर दस्तक दे रही है। एक तरफ भारत में कोरोना वायरस के केसेज बढ़ रहे हैं तो दूसरी ओर मंकीपॉक्स के नए केसेज मिलने लगे हैं। कहने को भारत में अभी तक सिर्फ चार केस मिले हैं इसलिए यह पैनिक जैसी स्थिति नहीं है। बेशक केसेज की संख्या कम है लेकिन यह जिस तरह की संक्रामक बीमारी है उसे देखते हुए चार केस भी बहुत हैं। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि चौथा केस, जो दिल्ली में मिला उस संक्रमित व्यक्ति का विदेश दौरा करने का कोई इतिहास नहीं है। उसने मनाली में छुट्टी मनाई थी और दिल्ली लौटने पर संक्रमण के लक्षण दिखे थे। इसका मतलब है कि संक्रमण का स्रोत स्थानीय है।

यह चिंता की बात है अगर स्थानीय स्तर पर संक्रमण फैल रहा है। ध्यान रहे मंकीपॉक्स का संक्रमण कोरोना वायरस की तरह हवा से तो नहीं फैलता है लेकिन मरीज के संपर्क में आने से तेजी से फैलता है। यह शारीरिक स्पर्श से फैलने वाली बीमारी है। इसलिए भारत जैसी सघन आबादी वाले देश में इसके तेजी से फैलने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। इस बीमारी की एक और खास बात यह है कि कोरोना से उलट इसका प्रसार हर देश में समान रूप से हो रहा है। कोरोना का संक्रमण अफ्रीकी देशों में बहुत कम रहा और वहां यूरोपीय, अमेरिकी या एशियाई देशों के मुकाबले कम लोगों की मृत्यु हुई। परंतु मंकीपॉक्स से सर्वाधिक केस अगर यूरोप के देशों में मिले हैं तो सबसे ज्यादा मौतें अफ्रीकी देशों में हुई हैं। यह इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि अभी इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

इसलिए बचाव ही सबसे बेहतर उपाय है। केरल में पहला केस मिलने के बाद भी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपनी टीम भेज कर हालात का जायजा लिया था। उसके बाद से हवाईअड्डों और बंदरगाहों पर निगरानी बढ़ाई गई है। दिल्ली में नए केस मिलने के बाद से स्थानीय स्तर पर संक्रमण पर निगरानी की ज्यादा जरूरत है। मंकीपॉक्स का वायरस दुनिया के 80 देशों में फैल चुका है इसलिए अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों पर निगरानी और जांच की पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए। कोरोना महामारी के अनुभव से सबक लेकर केंद्र और राज्य सरकारों को टेस्टिंग, ट्रेसिंग और ट्रीटमेंट के बंदोबस्त करने चाहिए। दिल्ली में एलएनजेपी अस्पताल में विशेष वार्ड बनाया गया है। ऐसी तैयारी देश के दूसरे शहरों में भी होनी चाहिए।

बर्मिंघम 22वें राष्ट्रमंडल खेलों की हुई रंगारंग शुरुआत, भारतीय खिलाड़ी दिखायेंगे दम

बर्मिंघम। ब्रिटेन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और समावेशिता के अद्भुत प्रदर्शन के साथ यहां 22वें राष्ट्रमंडल खेलों की रंगारंग शुरुआत हो गयी जिसमें खिलाड़ी अब एक दूसरे से स्वयं को अव्वल साबित करने की कोशिश करेंगे। ड्रम वादक अब्राहम पैडी टेटेह ने 'राफ्टर्स से भरे अलेक्जेंडर स्टेडियम में उद्घाटन समारोह की शुरुआत की। इसके बाद भारतीय शास्त्रीय गायक और संगीतकार रंजना घटक ने कार्यक्रम की अगुवाई की। राष्ट्रमंडल खेल पहले ऐसे बड़े स्तर के खेल हैं जिन्हें कोविड-19 महामारी शुरू होने के बाद विभिन्न प्रतिबंधों के बिना आयोजित किया जा रहा है। इस बीच लाल, सफेद और नीले रंग की 70 कारों ने मिलकर ब्रिटेन का ध्वज 'यूनियन जैक बनाया। यहां तक कि महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का प्रतिनिधित्व कर रहे प्रिंस चार्ल्स भी 'डचेस ऑफ कॉर्नवाल के साथ अपनी एस्टन मार्टिन कार में पहुंचे। शहर के मोटर उद्योग इतिहास को बताने के लिए कारों को इस तरह से पेश किया गया। बर्मिंघम की

संस्कृति और विविधता को प्रदर्शित करने के बाद महान विदूषक चार्ली चैपलिन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस महान हास्य अभिनेता को शहर के नायक के रूप में पेश किया गया। असल में लंदन से लेकर बर्मिंघम तक उनका जन्म स्थान चर्चा का विषय रहा है। महान लेखक विलियम शेक्सपियर का भी जिक्र किया गया। प्रसारक ने 'शेक्सपियर फर्स्ट फोलियो के बारे में चर्चा की जो कि बर्मिंघम में नया पुस्तकालय है। यह ब्रिटेन का सबसे बड़ा सार्वजनिक पुस्तकालय है। औद्योगिक क्रांति को दर्शाने के लिए एक उग्र सांड का सहारा लिया गया जिसने इस रंगारंग समारोह में सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा। खेलों का शुभंकर 'पेरी द बुल है।

राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) के अध्यक्ष लुई मार्टिन ने अपने संबोधन में कहा, ''हमारे 72 सदस्य यहां हैं और बर्मिंघम शानदार दिखता है। मुझे विश्वास है कि यह आयोजन हमारे 92 साल के इतिहास में राष्ट्रमंडल खेलों के सबसे शानदार और महत्वपूर्ण संस्करणों में से एक होगा। इसके बाद भागीदार राष्ट्रों की परेड शुरू हुई। राष्ट्रमंडल खेलों की परंपरा के अनुसार पिछली बार के खेलों का मेजबान आस्ट्रेलिया परेड में सबसे पहले आया और उसके बाद ओसेनिया क्षेत्र के अन्य देश आये। इसके बाद अन्य देशों ने अपने क्षेत्र की वर्णमाला के अनुसार स्टेडियम में प्रवेश किया। ऑस्ट्रेलिया के बाद अफ्रीका, अमेरिका, एशिया और कैरेबियाई क्षेत्र के देश स्टेडियम में आए। जब 2010 के खेलों के मेजबान भारत का नंबर आया तो लोगों ने तालियां बजाकर करतल ध्वनि के साथ खिलाड़ियों का स्वागत किया। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह भारतीय टीम का नेतृत्व कर रहे थे। परंपरा के अनुसार मेजबान इंग्लैंड ने अंतिम राष्ट्र के रूप में स्टेडियम में प्रवेश किया। जब इंग्लैंड की टीम स्टेडियम में पहुंची तो ''वी विल, वी विल रॉक यू गीत बज रहा था। इसके बाद राष्ट्रमंडल खेलों का ध्वज फहराया गया और फिर सीजीएफ के अध्यक्ष मार्टिन ने अपना भाषण दिया। आखिर में 'प्रिंस ऑफ वेल्स ने खेलों की शुरुआत करने के लिये महारानी के संदेश को पढ़ा। ब्रिटिश ओलंपिक चैंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों की तैराकी में 4 स्वर्ण पदक जीतने वाले टॉम डेली समलैंगिक ध्वजवाहकों के दल के साथ क्वीन्स बैटन मशाल को अलेक्जेंडर स्टेडियम में लेकर आए। डेली समलैंगिकता के समर्थक हैं। ढाई घंटे तक चले इस रंगारंग समारोह का आकर्षण दुरान दुरान बैंड भी रहा जिससे कार्यक्रम का समापन भी हुआ। 'ब्लैक सब्बाथ और 'सिटी ऑफ़ बर्मिंघम सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा के प्रसिद्ध संगीतकार टोनी इओमी ने भी दिलकश कार्यक्रम पेश किया, जबकि 'रिबल वैली के प्रतिभाशाली युवा गायक सामंथा ऑक्सबोरो ने ब्रिटिश राष्ट्रगान गॉड सेव द क्वीन गाया। ग्रैमी पुरस्कार विजेता गिटारवादक इयोमी और सैक्सोफोनिस्ट सोवेटो किंच ने भी दर्शकों मोहित किया। इसके बाद लगभग 2000 से अधिक कलाकारों ने शहर के समृद्ध अतीत और वर्तमान का प्रदर्शन किया। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों से जुड़े 72 देशों के बीच आपसी संबंधों का भी प्रदर्शन किया। लंदन ओलंपिक 2012 के बाद यह खेल ब्रिटेन के सबसे बड़े और खर्चीले खेल बनने जा रहे हैं। लंदन ओलंपिक खेलों के ठीक 10 साल बाद इनका आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह के साथ ही 11 दिन तक चलने वाले खेलों की शुरुआत भी हो गई जिसमें 72 देशों के 5000 से अधिक खिलाड़ी 15 स्थलों पर 19 खेलों की 280 स्पर्धाओं में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

भारत पर फेड रिजर्व की मार, और बढ़ेगी ईएमआई!

नई दिल्ली । महंगाई को बड़ी चुनौती मानते हुए अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व ने एक बार फिर से ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। बीती रात फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 75 बेसिस प्वाइंट बढ़ोतरी का ऐलान किया है। अमेरिका में ब्याज दर बढऩे के बाद अब भारतीय रिजर्व बैंक पर भी कर्ज महंगा करने का दबाव बढ़ गया है। पॉलिसी दरों पर फैसला लेने के लिए अगले हफ्ते आबीआई की बैठक है और आशंका बढ़ गई है कि आरबीआई भी कर्ज महंगा करने के लिए पॉलिसी दरों में बदलाव कर सकता है।

अमेरिकी सेंट्रल बैंक की तर्ज पर अगर रिजर्व बैंक पॉलिसी दरों में बदलाव करके कर्ज और महंगा होने का रास्ता खोलता है, तो होम और कार लोन की ईएमआई बढ़ जाएगी। हालांकि ईएमआई में कितनी बढ़ोतरी होगी, यह रेपो रेट में होने वाली संभावित बढ़ोतरी पर निर्भर करेगा।

झूलन और मिताली के बिना भारतीय टीम एक नई शुरुआत की ओर

बर्मिंघम। कॉमनवेल्थ गेम्स में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह भारतीय महिला क्रिकेट का एक नया दौर है। टीम में अब मिताली राज और झूलन गोस्वामी नहीं है। ये दोनों खिलाडी कम से कम एक फ़ॉर्मेट के लिए वनडे विश्व कप तक उपलब्ध थीं। हालांकि अब ये दोनों खिलाड़ी टीम के साथ नहीं हैं। पिछले 25 सालों से यह जोड़ी भारतीय महिला क्रिकेट का पर्याय रही है। 1997 में मिताली 14 साल की थीं, जब उन्हें घरेलू धरती पर भारत के 50 ओवरों के विश्व कप टीम में चुना गया था। इस पर केवल

यह कहा जा सकता था कि वह अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए बहुत छोटी थीं। उसी संस्करण में झूलन ईडन गार्डन्स में उस प्रसिद्ध ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड फ़ाइनल में एक बॉल गर्ल थीं।

इसके बाद से यह दोनों खिलाड़ी एक ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा रही हैं। साल 2002 में साउथ अफ़्रीका में टेस्ट जीत से लेकर साल 2005 में विश्व कप के उपविजेता बनने तक यह साथ रहीं। इसके बाद साल 2006 और 2014 में इंग्लैंड को टेस्ट क्रिकेट में मात देना। साल 2016 में आठ नए खिलाड़ियों के साथ ऑस्ट्रेलिया में सीरीज़ जीतना। इन दोनों खिलाड़ियो के सह यात्रा का हिस्सा रहा है। हालांकि मैदान पर आये, इस बदलाव के लिए मैदान के बाहर भी उन्होंने महिला क्रिकेट को मिलने वाली सुविधाओं के लिए संघर्ष किया। इसके लिए उन्होंने बीसीसीआई से भी टक्कर लिया। उनके संघर्ष के बाद सेकेंड क्लास ट्रेन का जमाना ख़त्म होकर महिला खिलाड़ियों को एयर टिकट मिलने लगा। छोटे कमरों वाले होटलों की जगह पर बढिया होटल मिलने लगे।

मैदान से बाहर उन्होंने हज़ारों युवाओ को क्रिकेट खेलने के लिए प्रति प्रेरित किया। यह उनके सबसे बड़े योगदानों में से एक था लेकिन इसके अलावा उन्होंने महिला खिलाड़ियों के केंद्रीय अनुबंधों के लिए सक्रिय रूप से पैरवी की जो अंतत: 2016 से अस्तित्व में आया।

हम कभी रूढ़िवादी नहीं रहे, टी20 में नए रवैये से कभी कभार असफलताएं भी मिलती हैं : रोहित

टरूबा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में अपनाए गए निर्भीक रवैए से टीम को कभी कभार असफलताएं मिलेंगी लेकिन उन्होंने इससे इनकार किया कि पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में खेले गए टी20 विश्व कप के दौरान टीम ने रूढ़िवादी रवैया अपनाया था।

रोहित ने कहा कि नए रवैये से खिलाड़ियों को अधिक स्वतंत्रता मिली है जिससे कि विश्वकप के निराशाजनक अभियान के बाद टीम को सफलताएं मिली। भारत विश्वकप में दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाया था।

रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच टी20

मैचों की श्रृंखला से पूर्व कहा, हम पिछले विश्वकप में अनुकूल परिणाम हासिल नहीं कर पाए थे लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हमने इतने वर्षों में खराब क्रिकेट खेली और मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि हम रूढ़िवादी क्रिकेट खेल रहे थे। यदि हम विश्व कप में एक या दो मैच हारते हैं इसका मतलब यह नहीं कि हमने मौकों का फायदा नहीं उठाया।

उन्होंने कहा, अगर आप विश्वकप से पहले हमारे प्रदर्शन को देखें तो हमने लगभग 80 प्रतिशत मैच जीते। अगर हमने रूढ़िवादी तरीका अपनाया तो फिर हम इतने मैच कैसे जीत सकते थे। यह सही है कि हम विश्वकप में हार गए थे, लेकिन ऐसा होता है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम खुलकर नहीं खेल रहे थे।

रोहित ने कहा, बाद में हमने कोई बदलाव नहीं किया। हम पहले की तरह ही खेल रहे थे लेकिन खिलाड़ियों को अपना नैसर्गिक खेल खेलने के लिए अधिक छूट दी गई थी। खुलकर खेलो और किसी तरह का बेवजह दबाव मत लो। यदि आप खुलकर खेलते हैं तो प्रदर्शन में वह दिखेगा। रोहित ने कहा कि भारतीय टीम और उसके प्रशंसकों को इस तरह के बदलावों के साथ आगे बढऩा होगा। उन्होंने कहा, हम अभी जिस तरह की क्रिकेट खेल रहे हैं उसमें कभी कभार असफलताएं मिलना लाजमी है लेकिन इसमें कोई परेशानी नहीं क्योंकि हम कुछ सीख रहे हैं और कुछ अलग करने की कोशिश कर रहे हैं।

रश्मिका और जाह्नवी की फिल्म के बीच होगी कड़ी टक्कर, एक ही दिन होगी रिलीज

पुष्पा फेम अदाकारा रश्मिका मंदाना जल्दी ही बॉलीवुड में कदम रखने के लिए तैयार हो चुकी है। उनकी पहली फुल फ्लैज्ड बॉलीवुड मूवी सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के साथ होने वाली है। सदी

के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ अदाकारा रश्मिका मंदाना की मचअवेटेड मूवी गुडबाय की रिलीज डेट की घोषणा की जा चुकी है। रश्मिका मंदाना, अमिताभ बच्चन स्टारर निर्देशक विकास बहल और प्रोड्यूसर एकता कपूर की अपकमिंग फिल्म गुडबाय इसी साल 7 अक्टूबर को सिल्वर स्क्रीन पर देखने के लिए मिलने वाली है।

इस मेगा घोषणा के साथ मेकर्स ने मूवी से जुड़ी एक तस्वीर भी फैंस को भी दिखाई दी। मगर इसके साथ ही फिल्मी हलकों में हलचल और भी ज्यादा बढ़ गई है। दरअसल, रश्मिका मंदाना और अमिताभ बच्चन की मूवी की रिलीज डेट का ऐलान होते ही बॉक्स ऑफिस क्लैश का संकट और भी ज्यादा बढ़ गया है।

खबरों का कहना है कि इसी दिन बॉलीवुड स्टार जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव अपनी अगली मूवी मिस्टर एंड मिसेज माही को लेकर सिल्वर स्क्रीन पहुंचने की तैयारी में लगी हुई है। इसकी घोषणा मेकर्स काफी पहले ही कर चुके हैं। मूवी को करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के माध्यम से बनाया गया है। रुही आफ्जा के बाद एक बार फिर राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर एक साथ ऑन स्क्रीन दिखने वाले हैं। इस मूवी की घोषणा का टीजर वीडियो आप यहां देख सकते हैं।

रश्मिका मंदाना स्टारर मूवी गुडबाय की रिलीज एनाउंटमेंट के साथ ही इन दोनों मूवी के मध्य बड़ा क्लैश तय हो ही गया है। अब देखने वाली बात होगी कि क्या करण जौहर अपनी मूवी मिस्टर एंड मिसेज माही की रिलीज डेट में कोई बदलाव करते हैं या फिर ये क्लैश देखने के लिए मिलने वाला है।

अपारशक्ति खुराना ने आगामी फिल्म में कश्मीरी आतंकवादी की निभाई भूमिका

हिंदी सिनेमा जगत के जाने माने अभिनेता अपारशक्ति खुराना अपनी आगामी फिल्म धोका डी राउंड कॉर्नर में एक कश्मीरी आतंकवादी की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

अभिनेता की यह फिल्म मानवीय रिश्तों के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करती है, लेकिन एक किरकिरा और गहरे केंद्रीय विषय का अनुसरण करती है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए अपारशक्ति ने एक बयान में कहा, धोका के साथ, मैं पहली बार एक बहुत ही अलग शैली का प्रयास कर रहा हूं। मैं अभी कुछ समय से कॉमेडी के अलावा कुछ करने की कोशिश कर रहा था लेकिन कूकी गुलाटी और भूषण कुमार ने मुझ पर वह भरोसा दिखाया। यह परस्पर जुड़े मानवीय संबंधों पर एक अलग रूप की खोज है, जो एक समग्र विषय के साथ कैप्चर किया गया है जो थोड़ा भद्दा और ग्रे है।

फिल्म में अपनी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, अभिनेता ने कहा, मैं फिल्म में एक कश्मीरी आतंकवादी की भूमिका निभा रहा हूं। मैंने एक कलाकार के रूप में खुद का एक अलग पक्ष दिखाने की कोशिश की है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक मुझे मेरे इस नए संस्करण में स्वीकार करेंगे। बड़े पर्दे पर! वास्तव में इसके लिए उत्साहित हूं।

कूकी गुलाटी द्वारा निर्देशित, जिन्होंने पहले ओटीटी फिल्म द बिग बुल का निर्देशन किया है, धोका डी राउंड कॉर्नर एक सस्पेंस थ्रिलर है।

विजय एंटनी-स्टारर रथम का दूसरा लुक जारी

निर्देशक सी. एस. अमुधन की बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर रथम की टीम, जिसमें अभिनेता विजय एंटनी मुख्य भूमिका में हैं, ने सोमवार को फिल्म का दूसरा लुक जारी किया। हाल ही में, यूनिट ने घोषणा की थी कि उन्होंने फिल्म के भारतीय हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। क्रू जल्द ही अपने विदेशी शेड्यूल पर काम शुरू करने वाला है।

हालांकि, स्पेन में होने वाले विदेशी कार्यक्रम से पहले, यूनिट ने फिल्म की डबिंग का काम शुरू करने का फैसला किया। फिल्म के दूसरे लुक को ट्वीट करते हुए निर्देशक

अमुधन ने कहा, समय आ गया है।इनफिनिटी फिल्म वेंचर्स के कमल बोहरा, ललिता धनंजयन, बी. प्रदीप और पंकज बोहरा द्वारा निर्मित, रथम में अभिनेत्री महिमा नांबियार, नंदिता स्वेता और रेम्या नाम्बीसन मुख्य भूमिका में होंगी।

आज का राशिफल

मेष : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

वृष : यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा।

मिथुन : आय होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी किसी समस्या का हल नहीं है इसलिए न करें। दूर से कोई समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें ताकि बेवजह कहासुनी न हो। थकान व कमजोरी रह सकती है आराम करें।

कर्क : कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

सिंह : व्यवसाय ठीक चलेगा। धन लाभ के योग है। पुराना रोग उभर सकता है। दूर से कोई समाचार मिल सकता है। व्यर्थ की भागदौड़ से बचें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता मत आने दें। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे।

कन्या : नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। जल्दबाजी से बचें खासकर लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

तुला : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धनहानि से बचें व सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

वृश्चिक : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग करने से बचें। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति की चिकनी बातों में न आएं।

धनु : व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे लेकिन हानी नहीं पहुंचा पाएंगे।

मकर : धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से मनोनुकूल लाभ होगा।

कुंभ : पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीवार्द मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन : आज आपका समय मिला जुला रहेगा। घर में अतिथियों का आगमन होगा और धन व्यय भी होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा।

'करेला छिलका विद चना दाल', की रेसिपी

करेले का स्वाद हर किसी को नहीं भाता लेकिन आज हम एक ऐसी सब्जी बनाने जा रहे हैं जिसमें करेला है तो लेकिन ना के बराबर, इसे आप सब्जी या दाल किसी भी तरह से खा सकते हैं।

सामग्री :

1 कप करेले के छिलके, 3/4 कप चना दाल दो घंटे भीगी हुई, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/4 टीस्पून हल्दी पाउडर, 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1/4 टीस्पून गर्म मसाला, 1/4 टीस्पून अमचूर पाउडर, 1 चुटकी हींग, 2 चुटकी जीरा, 2 टेबलस्पून तेल, 1 टीस्पून दही, स्वादानुसार नमक

विधि :

- एक बोल में करेले के छिलकों में आधा टीस्पून नमक व दही मिलाकर रख दें।
- आधे घंटे बाद इन्हें अच्छी तरह धोकर उबालें और पानी निचोड़ दें।
- इसके बाद चने की दाल उबालें और पानी छान दें।
- अब कड़ाही में तेल गरम करके जीरे और हींग का छौंक दें। दोनों चीज़ें अच्छी तरह तड़कने पर लाल मिर्च पाउडर, नमक, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, चना दाल और छिलके डालें।
- सारी चीज़ें अच्छी तरह चलाकर ढक्कन लगा दें।
- दस मिनट बाद गरम मसाला और अमचूर मिला दें।
- स्वादिष्ट करेला छिलका विद चना दाल तैयार है। इसे रोटी या चावल के साथ गरमा-गरम सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 148

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

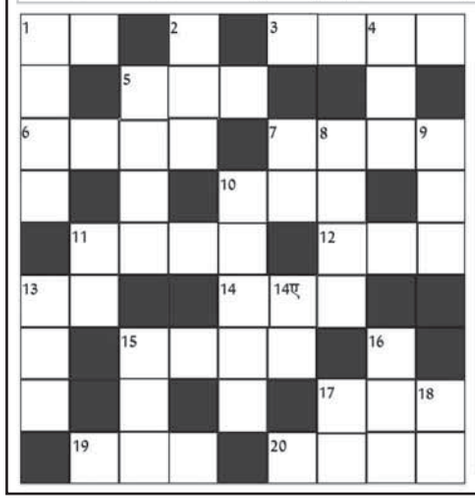

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 147 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्व			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

सू-दोकू- 148

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.147 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3